महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया

वार्षिक प्रतिवेदन – हिन्दी विभाग

2017-18

स्वागत समारोह – 23 अगस्त 2017

23 अगस्त 2017 को स्नातकोत्तर हिन्दी में नव प्रवेशित छात्रों का विभाग में स्वागत करते हुए उन्हें सेमेस्टर पद्धति, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन पद्धति के बारे में जानकारी दी गई। उनसे परिचय भी प्राप्त किया गया। कालेज के बारे में भी अवगत कराया गया। पुनः 29 अगस्त 2017 को कक्ष क्र 08 हॉल –प्रथम मंजिल में सामूहिक रूप से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सभी छात्रों का उन्मुखीकरण किया गया। इसमें हिन्दी विभाग के छात्र भी शामिल थे। डॉ0 आर के टण्डन ने सेमेस्टर प्रणाली, अंक योजना, मूल्यांकन योजना, आंतरिक परीक्षा के बारे में सभी छात्रों को जानकारी दी। प्राचार्य सहित अनेक प्राध्यापकों की उपस्थिति में शताधिक छात्रों ने सेमेस्टर पद्धति को इस ओरिएण्टेशन के माध्यम से जाना।

विदायी समारोह – 30 अगस्त 2017

हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 दिलीप अम्ब्रेला एवं डॉ0 रविन्द्र चौबे सहायक प्राध्यापक हिन्दी के स्थानांतरण होने के फलस्वरूप हिन्दी विभाग के द्वारा प्रा0 श्री अम्ब्रेला को कक्ष क्र 08 हॉल में सम्मानपूर्वक विदायी दी गई एवं इस महाविद्यालय में कार्यरत रहने के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया गया। उनके स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। भेंटस्वरूप उन्हें साल, श्रीफल, गणेश की मूर्ति तथा महाविद्यालयीन अधिकारियों–कर्मचारियों के फ्रेमयुक्त छायाचित्र भी दिया गया। किसी कारणवश डॉ0 रविन्द्र चौबे समारोह में उपस्थित नहीं हो सकीं। इस अवसर पर डॉ0 आर के टण्डन, प्रो0 संजय मधुकर, प्रो0 लोकेश शर्मा (रसायन), कु0 ज्योति पटेल, कु0 जागृति राठौर सहित एम ए हिन्दी के छात्र उपस्थित थे।

हिन्दी दिवस – 14 सितम्बर 2017

प्राचार्य डॉ0 पी सी घृतलहरे की अध्यक्षता में हिन्दी विभाग में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ0 आर के टण्डन ने हिन्दी के विकास व उत्पत्ति को विस्तार से समझाते हुए कहा कि पूरे विश्व के भाषा परिवार को चार भाग में बांटते हैं। फिर क्रमशः यूरेशिया, भारोपीय, भारत–ईरानी, भारतीय आर्य भाषा– संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश– शौरसेनी से होते हुए पश्चिमी हिन्दी– खड़ी बोली (हिन्दी) प्राप्त होती है। प्रो0 एम एल धीरही, डॉ0 सुशीला गोयल, प्रो0 सरला जोगी, प्रो0 जे केरकेट्टा, प्रो0 एस के इजारदार, नव पदस्थ प्रो0 जयराम कुर्रे एवं तत्काल पदस्थ प्रो0 दिनेश संजय की उपस्थिति में हिन्दी विभाग के छात्रों ने हिन्दी की विकास यात्रा को जाना। प्राचार्य सहित अन्य प्राध्यापकों ने भी छात्रों को सम्बोधित किया।

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

DR. R. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist. Raigarh (C.G.)

स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद का गठन – 18 सितम्बर 2017

विभागीय प्राध्यापकों की उपस्थिति में परिषद का गठन निम्नानुसार किया गया–

अध्यक्ष – कु0 ज्योति पटेल

उपाध्यक्ष – कु0 गौरी रायल

सचिव – आशीषकुमार राठौर

सहसचिव – अम्बे वैष्णव

कार्यकारिणी सदस्य – श्यामकुमार, अमितकुमार, घनश्याम टण्डन, छत्रपाल दुबे, दुर्गा यादव

कवि सम्मेलन – 23 सितम्बर 2017

साहित्यिक कार्यक्रम के अन्तर्गत स्नातकोत्तर हिन्दी परिषद के तत्वाधान में हिन्दी विभाग के द्वारा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें निम्न कवियों ने अपने काव्य पाठ से छात्रदीर्घा को आनंदित, प्रेरित व काव्य के प्रति रूचि जागृत किया–

श्री आर बी पटेल, सेवानिवृत्त प्राचार्य,

श्री मनमोहन सिंह ठाकुर, सेवानिवृत्त वनरक्षक

श्री एच पी ढेढ़े व्याख्याता

श्री भूजेन्द्र श्रीवास

श्री आर के त्रिवेदी प्रधानपाठक

श्री आर के पटेल प्रधानपाठक

श्री खेलन कैवर्त

श्रीमती किरण शर्मा, शिक्षक

श्रीमती प्रियंका गुप्ता 'प्रिया' समाज सेविका

श्री राकेश नारायण बंजारे व्याख्याता

श्री पी पी महिलांगे व्याख्याता

श्री गुलाब सिंह कंवर 'गुलाब' प्रधानपाठक

डॉ0 आर के टण्डन, सहायक प्रध्यापक–हिन्दी

श्री पी पी गुप्ता

श्री गुरूचरण सिंह छाबड़ा

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

DR. R. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist. Raigarh (C.G.)

कवि सम्मेलन – 28 अक्टूबर 2017

हिन्दी परिषद के तत्वाधान में हिन्दी विभाग में पुनः कवि सम्मेलन हुआ। निम्न कवियों ने सरस काव्यपाठ किया–

श्री मनमोहन सिंह ठाकुर

श्री रामभजन पटेल

श्री भरतलाल नायक वरिष्ठ कवि

श्री ओमप्रकाश शर्मा

श्री भगतदास महंत

श्री रामकुमार पटेल

श्री निर्भय गुप्ता

श्री केशवप्रसाद राठौर

श्री लखनलाल राठौर

श्रीमती प्रियंका गुप्ता

श्री हेमलाल पटेल

श्री राकेशनारायण बंजारे

श्री भूजेन्द्र आनंद श्रीवास

श्री पुनेश्वर प्रसाद महिलांगे 'अधीर'

डॉ0 आर के टण्डन

श्री निमाई प्रधान

श्री अंजनीकुमार अंकुर वरिष्ठ कवि

श्री मिलन मलरिहा प्रसिद्ध गीतकार

श्री जवाहर पटेल वरिष्ठ कवि

सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा

श्री ओमप्रकाश शर्मा

यामिनी राठौर

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

DR. R. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist. Raigarh (C.G.)

छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस – 28 नवम्बर 2017

छत्तीसगढ़ी भाषा माध्यम से इस दिवस को महाविद्यालय भवन के मध्य निर्मित मंच पर मनाया गया। उक्त दिवस को एनसीसी दिवस भी मनाया गया। निम्न कवियों ने छत्तीसगढ़ी में सरस एवं गीत के माध्यम से काव्यपाठ किया–

श्री मनमोहन सिंह ठाकुर – दोना पतरी

श्रीमती प्रियंका गुप्ता – सोन बरोबर इंहा के माटी

श्री गुलाब सिंह कंवर – तोला सुमिरौं बारम्बार छत्तीसगढ़ महतारी

श्री केशवप्रसाद राठौर – गुलामी के पीरा

श्री रामकुमार पटेल – धन्य हे हमर देस भारत

श्री लखनलाल राठौर – माँ चन्द्रासेनी

श्री पुनेश्वर प्रसाद महिलांगे – तख्ता पलट देत हंव

श्री राकेश नारायण बंजारे – मैं अंव छत्तीसगढ़िया संगी

श्री अंकित जायसवाल – सौम्य संगिनी

श्री मोतीलाल राठौर

श्री ओमप्रकाश शर्मा

श्री भगतदास महंत

श्री गुरुचरण छाबड़ा

डॉ0 आर के टण्डन

श्री संजय मधुकर

कवि सम्मेलन – 31 दिसम्बर 2017

उपस्थित कवि–

श्री मनमोहन सिंह ठाकुर – नवप्रभात.....

श्री लखनलाल राठौर – नया साल है आता

श्री राकेशनारायण बंजारे– शान तिरंगे....

श्री पुनेश्वर प्रसाद महिलांगे 'अधीर' – एक सुधि संग रे...

डॉ0 आर के टण्डन – पुष्प की पीड़ा

सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा – नवसाल की लख--लख...

श्री शंकर सुमन

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

DR. R. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist. Raigarh (C.G.)

श्री गुलाब सिंह कंवर – छत्तीसगढ़ के माटी...

श्री गुलाबराम डनसेना – गजल – अंधा कानून

श्री प्रकाश नारायण दर्शन

श्री संजय मधुकर

श्री मोतीलाल राठौर – मैं छत्तीसगढ़िया हंव...

बसंत पंचमी सह कवि सम्मेलन – 22 जनवरी 2018

श्री मनमोहन सिंह ठाकुर –

श्री लखनलाल राठौर – ऐ माता...

श्री राकेशनारायण बंजारे– गीत बसंत के गांवा जी...

श्री पुनेश्वर प्रसाद महिलांगे 'अधीर' – आओ रे मजे...

डॉ0 आर के टण्डन – पैसे की पीड़ा

सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा – जिंदगी है रब का....

श्री हर प्रसाद ढेढ़े – वर दे वीणा वादिनी....

श्री गुलाब सिंह कंवर – मेरी तरणी तार दे...

श्री आनंद कुमार त्रिवेदी – स्वागतम रितुराज....

श्री रामकुमार पटेल – सुआगत करव आये...

श्री भोजकुमार राठौर – मैं कवि हूं...

कवि सम्मेलन – 01 अप्रैल 2018

निम्न कवियों ने सरस काव्यपाठ किया–

श्री खेलन कैवर्त – जांबाज सपूतों

श्री भरतलाल नायक – पिया मिलन....

श्री निर्भय गुप्ता – मैं और तू...

श्री कमल कुमार बहिदार – जिस कुर्सी पर मैं रोज बैठता हूं...

श्री ओमप्रकाश शर्मा – चाहे हो उजाला...

श्री सोनू बरेठ – या परम पिता...

श्रीमती वसुन्धरा गजेन्द्र पटेल – न बनूं मैं तेरी गोपी....

श्रीमती प्रियंका गुप्ता – मन को मेरे हर लेते हो...

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

DR. R. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist. Raigarh (C.G.)

डॉ0 रमेश टण्डन – प्रेम की पीड़ा, प्रलय की पीड़ा

श्री लखनलाल राठौर – जगतो लुटेरा...

श्री पुनेश्वर प्रसाद महिलांगे – आओ गलबईयां ले...

श्री भोजकुमार राठौर – नवसृजन साहित्य...

श्री त्रिलोचन सिंह राठौर

श्री ओमप्रकाश शर्मा – चाहे हो उजाला...

श्री त्रिभुवन सिंह चितवा – तोला लाज नी लागे...

श्री हरप्रसाद ढेढ़े – मौका मिला तो...

विदायी समारोह

एम ए अंतिम परीक्षा में सम्मिलित छात्रों को पूर्व वर्ष के छात्रों ने पूर्व परम्परा अनुसार विदायी दी। सभी प्रोफेसरों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कैरियर मार्गदर्शन भी किया।

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

विभागाध्यक्ष – हिन्दी

DR. R. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist. Raigarh (C.G.)

महात्मागांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया सत्र . 2017-18
डॉ. रमेश टण्डन
(विभागाध्यक्ष)
प्रो. जयराम कुर्रे ,प्रो.दिनेश कुमार संजय ,प्रो संजय मधुकर
(अतिथि सहायक प्राध्यापक)

विदाई समारोह
2017

हिन्दी दिवस

हिन्दी दिवस
2017

कवि-सम्मेलन

JK COPIER

28/11/2017
छत्तीसगढी भाषा दिवस

हिन्दी विभाग
बसंत पंचमी

नव सृजन प्रतिभा सम्मान एवं काव्य गोष्ठी/सह कवि सम्मेलन कार्यक्रम सम्पन्न

नहरपाली 02 अप्रैल। नवसृजन साहित्य एवं कला मंच के तत्वाधान में, महात्मा गांधी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्याय-खरसिया में नवसृजन प्रतिभा सम्मान और काव्य गोष्ठी सह कविसम्मेलन का कार्यक्रम रखा गया । मुख्य अतिथि कमल बहिदार(अध्यक्ष साहित्य चेतना मंच-रायगढ़)कार्यक्रम अध्यक्ष राम भजन पटेल(पूर्व प्राचार्य, संरक्षक सा. मंच)विशिष्ट अतिथि विनोद चंद्र सिंह राठौर,(पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, एवं वरिष्ठ कवि) त्रिभुवन सिंह चितला(छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना, जिला प्रमुख, एवं वरिष्ठ कवि) भरत लाल नायक(वरिष्ठ कवि-लोहरसिंह) बी. डी. महंत(वरिष्ठ कवि)एन. आर. गुप्ता(वरिष्ठ कवि-लिंजीर)एवं गुरुवचन सिंह छाबड़ा मंच में प्रमुख रूप से विराजित थे।अतिथियों के द्वारा माँ शारदे की पूजन वंदन से कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया।

मंचस्थ अतिथियों का शाल श्रीफल से और पुष्प हार से अभिनंदन किया गया।तत्पश्चात नवोदित रचनाकारों को मंचस्थ अतिथियों के कर कमलों से नव सृजन प्रतिभा सम्मान से(सम्मान पत्र, डॉयरी, कलम और श्रीफल) देकर सम्मानित किया गया।नवोदित रचनाकार, 21 मार्च कविता दिवस के दिन काव्य प्रतियोगी के रूप में भाग लिए थे।और उत्कृष्ट काव्य सृजन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिए थे।

कवी।वहीं कार्यक्रम अध्यक्ष ने रामभजन जी पटेल ने कहा कि कविता के रूप में इतिहास न लिखें।दो तीन पंक्ति की कविता लिखने के बजाय छोटी कविता लिखें, कम शब्दों में बड़ी बात परिलक्षित हो।भाव प्रधान हो, पढ़ने में रुचि लगे, सरल शब्दों के चयन करें।

उद्घोषन के बाद काव्यपाठ की बारी आई।लगातार3.30बजे से 7.30 तक काव्य की रसधार, कवियों के द्वारा बहाई गयी।काव्य पाठ करनेवालों में कवयित्रीओंमती वसुंधरा पटेल, श्रीमती प्रियंका गुप्ता प्रिया ,पूर्णेश्वर महिलांगे अधीर मोती लाल राठौर,भोजकुमार राठौर, हरप्रसाद बेहि, त्रिभुवन सिंह चितला ,सोनू बरेठ, ओम प्रकाश शर्मा, रमेश टण्डन,, खेलन कैवर्त, भरत लाल नायक, निर्भय गुप्ता, सरदार गुरुवचन सिंह छाबड़ा, जितेन्द्र सिंह राठौर, राम भजन पटेल, कमल बहिदार, मनमोहन सिंह ठाकुर, गुलाब कंवर, ने अपनी-अपनी कविताओं को अपने अंदाज में बेहतरीन प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। काव्य पाठ के बाद मंच के अध्यक्ष मनमोहन सिंह ठाकुर और कार्यक्रम प्रभारी रमेश टण्डन का मंच में बेहतर योगदान हेतु कलम और श्री फल से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के मनमोहन सिंह ठाकुर, हरप्रसाद बेहि,खेलन कैवर्त, भुजेन्द्र श्रीवास, डॉ. रमेश टण्डन, गुलाबसिंह कंवर, गुलाब पुरुषोत्तम गुप्ता सहित मंच के सभी सदस्यों का, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री मनमोहन सिंह ठाकुर, सहयोग गुलाब कंवर और आभार डॉ. रमेश टण्डन द्वारा किया गया।

हिंदी दिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

समवेत शिखर संवाददाता

खरसिया। हिंदी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एमजी कॉलेज तथा नवसृजन साहित्य कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में आयोजित कार्यक्रम में प्रथम हिन्दी के उद्भव, विकास, महत्व एवं प्रचार-प्रसार पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवसृजन मंच के अध्यक्ष मनमोहन सिंह ठाकुर, संयोजन गुलाबसिंह कंवर एवं राकेशनारायण बंजारे ने किया। वहीं कार्यक्रम प्रभारी डॉ.रमेश टण्डन रहे।

सरस्वती वंदना के पश्चात् कवि गोष्ठी का शुभारंभ हुआ। लखन लाल राठौर ÷कौशल÷ ने ÷मेरी पैंट गिली हो गयी रे÷ हास्य-व्यंग कविता सुनाई, रामकुमार पटेल ने हिंदी की महिमा गाते हुए जसगीत की शानदार प्रस्तुति दी। ओज की कवियत्री श्रीमती वसुंधरा गजेन्द्र पटेल ने ÷हम सब भारती के लाल÷ तथा घनाक्षरी में ÷राम राम नाम जपे÷ की प्रस्तुति दी। आनंद कुमार त्रिवेदी ने ÷संस्कृत की बेटी हूँ÷ गीत की शानदार प्रस्तुति दी, वहीं गुलाबसिंह कवंर ÷गुलाब÷ ने हिंदी के विकास तथा हिंदी की महत्ता पर अपने विचार रखे तथा ÷जय हिन्दी-जय हिंदुस्तान, मिलकर गाएं गौरव गान÷ और ÷चलो संगी चलो साथी देश हित भेजे पाती÷ की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ.रमेश टण्डन ने हिंदी के विकास एवं हिंदी भाषा के ज्ञान पर अपने विचार रखे तथा ÷परम पीड़ा÷ की शानदार प्रस्तुति दी, राकेश नारायण बंजारे ने जीवन में हिंदी के महत्व पर विचार रखे तथा गजल ÷शर्बती चांदनी रातों में÷ की बेहतरीन प्रस्तुति दी। श्रृगांररस की कवियत्री श्रीमती प्रियंका गुप्ता ÷प्रिया÷ ने ÷मां भारती के चरणों में नित नमन करती रहूं÷ गीत गाया। काव्यपाठ के अंतिम और मंच के आदरणीय मनमोहन सिंह ठाकुर ने अपनी रचना ÷नई पीढ़ी देश की, न जाने कहां जा रही है÷ सुनाकर हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती प्रियंका गुप्ता ने किया।

एम जी महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस सम्पन्न

संवाददाता . रायगढ़

28 नवम्बर को महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। मंच संचालन करते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 रमेश टण्डन ने कहा कि- '' छत्तीसगढ़ बने सत्ता साल होगे अभी ले छत्तीसगढ़ी ला अपन के ठिकाना नई मिले ऐ, संविधान के आठवी अनुसूची मा एकर नांव नई लिखाए ऐ, जेकर सेंथो छत्तीसगढ़ी लिखैया मन आघु नई बढ़ पाथें। 2007 के बछर मा मुखिया मंत्री डॉक्टर रमन सिंह अउ संसकिरिती मंत्री बृजमोहन अग्रवाल मन छत्तीसगढ़ी ला राज भासा तो बना दिन, पर एकर परचार परसार ले अभी अउ जरूरत हावे, आयोग के अध्यक्ष डॉ0 विनय कुमार पाठक अउ सचिव पद्म डॉ. सुरेंद्र दुबे मन

बने काम ए डाहर करथें, छत्तीसगढ़ी ला शब्द कोश बनवाथें, उमन ला धनवाद।'' आगे आंचलिक छत्तीसगढ़ी कवियों ने गीतमय काव्य पाठ करते हुए दिवस को सार्थक बनाया और छत्तीसगढ़ की भाषा, संस्कृति आदि पर अपने सारगर्भित विचार रखते हुए छत्तीसगढ़ी की आवश्यकता पर प्रकाश डाले। शताधिक छात्रों के बीच, प्राचार्य डॉ0 पी सी मुरलहरे, एम डी वैष्णव, समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों, एनसीसी कैडेट्स की उपस्थिति में नव सृजन साहित्य एवं कला मंच के अध्यक्ष कवि मनमोहन सिंह ठाकुर ने ''दोना पतरी'' पर, प्रियंका गुप्ता ने '' सोन बरोबर इहा के माटी'', गुलाब सिंह कंवर ने ''तोला सुमिरौं बारम्बार छत्तीसगढ़ महतारी'', केशवप्रसाद राठौर ने ''गुलामी के पीरा'', रामकुमार पटेल ने ''धन्य हे हमर देश भारत'', लखनलाल राठौर ने ''माँ चन्द्रसेनी'', पुनेश्वर प्रसाद महिलांगे ने ''लखता पलट देत हंव'', राकेश नारायण बंजारे ने ''मैं अंव छत्तीसगढ़िया संगी'', अजित जायसवाल ने ''सौम्य सँगिनी'' पर तथा मोती लाल राठौर, हेमलाल पटेल, मार्गदर्शक ओमप्रकाश शर्मा ने रसधार गीत की प्रस्तुति देते हुए दर्शक-श्रोताओं को भाव विभोर व गदगद कर खूब तालियाँ बटोरीं। वरिष्ठ कवि भगत दास महंत व छालड़ा जी की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चाँद लगाया।

हर चेहरे के ऊपर है चेहरा किस चेहरे पर मैं यकीं करूं अरसे बाद नगर में हुई कवि-गोष्ठी, झूम उठे श्रोता

संवाददाता - आरोहण

यूं तो शेरो शायरी और कविता पाठ सब को लुभाती है, परंतु दिन-ब-दिन इस तरह के आयोजन कम होते चले जा रहे है। ऐसे में नगर के कवियों ने अरसों से स्थानीय महात्मा गांधी महाविद्यालय में प्रत्येक माह कवि गोष्ठी चलना तय किया है। शनिवार को हुए पहले आयोजन में गुलाब सिंह कंवर की रचना 'मत भूलो अपने शहीदों को जिसने तन-मन साथ वार दिया' और प्रियंका गुप्ता की कविता 'मैं हिंद की बेटी हूं बोलो तो मेरी धड़ाड़ है' आदि रचनाओं को सुनकर सभी श्रोता एवं विद्यार्थियों में तालियों और खूब सम्मान की बौछारें बिखेरे लेते लगीं।

महाविद्यालय के हिंदी साहित्य परिषद सभागार में एकदिवसीय औपचारिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के पूजन उपरांत उपस्थित वरिष्ठ कवियों द्वारा काव्यपाठ का सिलसिला शुरू हुआ जो देर शाम तक नये कलाकारों और फनकार तक चलता रहा। क्षेत्र के वरिष्ठ कवि गणपत पटेल , गुरुशरण सिंह छाबड़ा , मनमोहन सिंह ठाकुर , खेलन कँवर , डॉ. रमेश टंडन , निषाद जी, श्रीमती किरण शर्मा ,हरप्रसाद टंडे एवं आनंद त्रिवेदी के साथ नये कलाकारों में श्रीमती प्रियंका गुप्ता 'प्रिया', राकेश बंजारे , पुनेंद्र सोनवानी , पुनेश्वर महिलांगे 'अंगोर', लखन राठौर ,एल.डी.मानिकपुरी एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के द्वारा काव्यपाठ किया गया।

इसी अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं के अलावा नगर की कविता प्रेमियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आयोजन डॉ.डॉ. रमेश टंडन के मार्गदर्शन में हुआ एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन नवसृजन साहित्य एवं कलामंच के संरक्षक गुलाब सिंह कंवर 'गुलाब' के द्वारा किया गया। यहीं आगंतुक अतिथियों एवं श्रोताओं का आभार प्रदर्शन संजय मधुकर ने किया।

नवसृजन साहित्य परिषद का हुआ पुनर्गठन इसी के साथ नवसृजन साहित्य एवं कलामंच का पुनर्विस्तार किया गया जिसमें सर्वसम्मति से निम्न पदों पर साहित्यकारों का मनोनयन किया गया। संरक्षक - खेमराम भजन पटेल, गुरुशरण सिंह छाबड़ा ,वरिष्ठ सलाहकार - अंग प्रकाश शर्मा, जयाहर पटेल, संयोजक - गुलाब सिंह कंवर 'गुलाब' अध्यक्ष - मनमोहन सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष - खेलन कँवर, सचिव प्रियंका गुप्ता एवं कार्यक्रम प्रभारी -डा.रमेश टंडन को बनाया गया। साथ ही महिला प्रकोष्ठ प्रभारी - श्रीमती किरण शर्मा, श्रीमती निशा गुप्ता, सचिव - पुनेंद्र सोनवानी 'अंगोर', कोषाध्यक्ष - हरप्रसाद टंडे, प्रचार-प्रसार प्रभारी- निषाद जी, आनंद त्रिवेदी, मीडिया प्रभारी - संजय मधुकर, एल.डी. मानिकपुरी तथा सदस्यगण- राम कुमार पटेल, लखन राठौर, पंचराम निषाद, पुरुषोत्तम गुप्ता, दिनेश डनसेना, दिनेश गुप्ता, सुभाष यादव, शंकर सुमन, भरत नायक, खेमराम नायक आदि रहे।

एमजी महाविद्यालय में भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन

जवाहर पटेल की पुस्तक दीपिका और भागवत सूक्ति-सुधा का विमोचन

संवाददाता , खरसिया

महाविद्यालय खरसिया में हर महीने चल रहे नियमित सभा कार्यक्रम के तहत चतुर्थ शनिवार 28 अक्टूबर 2017 को महात्मा गाँधी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय-खरसिया में, हिन्दी भाषा साहित्य एवं कला मंच और महाविद्यालय परिवार के हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में छात्रों में साहित्यिक अभिरुचि जागृत करने के उद्देश्य से पूरे रायगढ़ जिले से कवियों का आमंत्रित कर भव्य काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया।

माँ शारदे की पूजन वंदन से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।अतिथियों और कवियों का स्वागत रायगढ़ महाविद्यालय परिवार ने पुष्पहारों से किया।सर्व प्रथम सृजन साहित्य मंच के अध्यक्ष मनमोहनसिंह ठाकुर ने स्वागत और प्रेरणा गीत गा कर महफिल को काव्यमय बना दिया।तत्पश्चात सोमीपाली (भरमजयगढ़) से पधारे जवाहरलाल पटेल (पूर्व लगानदाता ग्राम पंचायत भरमजयगढ़) की दो पुस्तकों -1दीपिका और 2-भागवत सूक्ति सुधा का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि अंजनी कुमार अंकुर (अध्यक्ष-राष्ट्रीय कवि संगम जिला -रायगढ़/ सम्बलपुर छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग जिला रायगढ़) अध्यक्षता रामभजन पटेल(पूर्व प्राचार्य) विशिष्ट अतिथि-भरत नायक (पुरौनी)ओमप्रकाश शर्मा, गुरुचरण सिंह छाबड़ा, श्रीभगत राम महंत, डॉ रमेश ठाकुर, मनमोहन ठाकुर, प्रो एम एल धीवरी , डॉ सुशीला गोयल आदि मंचस्थ अतिथियों के कर कमलों से विमोचन किया गया।पुस्तक के संदर्भित विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।तत्पश्चात वरिष्ठ कवि जवाहर पटेल की द्वारा आधुनिक काव्य लेखन, छंद विधान कला लेखन,(दोहा, सोरठा, चौपाई, गजल, त्रिभंगी, छप्पय, कुंडलिया, गीतक आदि)के बारे में विस्तारी जानकारी दी गयी।

इसके बाद वरिष्ठ, एवं नवोदित रचनाकार, तथा कालेज के छात्र-छात्राओं का अनूठा काव्य संगम देखने को मिला। 1.30 से 5.30 तक विभिन्न काल खंडों की धारा बहाई गयी।मंच पर कवियों ने ऐसा समा बाँधा जो अंत तक दर्शक सदन से हिले नहीं।

सरसार से पहुँचे युवा कवि मिलन जांगलेरिहारपूरा तालियां बटोरी।उनकी रचना नौटंकी पर कोकिल थीकेटी जैसा एक हूना कर संगी पेलजीर अन्य रचना सुनाई। भरत नायक पुरौनी ने श्रृंगार की कविता,मा की चाँदनी जिसी मा भाकी मनमोहन सिंह ठाकुर नेलाने नहीं पहुन का आय संदेश कोई मुनेश्वर मंडिलगिर(सुना कोरा)ने गीत लगा अब तेरे संवरहुत चढ़िया प्रस्तुति दी।वहीं रायगढ़ के सुना कवि लिखाई प्रभात की कान प्रस्तुतिकर मुझे कर दी बस-तस्वीरों गयी। कोविंद कविवियों सतुचरा पटेल बेटी पत्नाओं -बेटी पढ़ाओ कविता सुनाकर सभी का ध्यान खींचा। बेशक कवि की ओजपूर्ण देश भक्ति रचना, निर्भय गुप्ता ,रामकुमार पटेल,ओमप्रकाश शर्मा, रामभजन पटेल, मुनेन्द्र श्रीवास, प्रेमलाल पटेल, गुरुचरण सिंह छाबड़ा गंगाहरलाल पटेल ने, पर्यावरण, नशामुक्ति, एवं शिक्षा जागृति की कविता सुनाकर नया संदेश दिया।

हर प्रसार डेंटे ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार कर युवाओं को जगाया।